जयकारों के साथ घरों और पंडालों में विराजे बप्पा

सिवनी नवभारत। बप्पा के जयकारों और मंगल गीतों के बीच सोमवार से शहर समेत जिले भर में गणेशोत्सव शुरू हो गया। शुभ मुहूर्त में घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। सुबह से ही घरों और पंडालों में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा।

गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान गणेश का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। घरों में परिवार के सदस्यों ने बप्पा की प्रतिमाएं स्थापित कीं, वहीं सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों ने आकर्षक पंडालों में प्रतिमा स्थापना के साथ उत्सव की शुरुआत की। शहर के विभिन्न मोहल्लों में सुबह से ही गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला शुरू हो गया था। प्रतिमाओं को लेकर श्रद्धालु और गणेश उत्सव समितियों के सदस्य पंडालों तक पहुंचे। भगवान गणेश के जयकारों के बीच कई स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की गईं।

सार्वजनिक गणेश उत्सव समितियों ने पंडालों की सजावट और विद्युत व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया है। कई स्थानों पर आकर्षक लाइटिंग की गई है, जबकि कुछ समितियों ने अलग-अलग थीम पर पंडाल तैयार किए हैं। शाम होते ही शहर के गणेश पंडाल रोशनी से जगमगाने लगे।

सार्वजनिक पंडालों के साथ ही घरों में भी गणपति बप्पा विराजे। गणेश चतुर्थी को लेकर श्रद्धालुओं ने पहले से ही घरों में प्रतिमा स्थापना के लिए विशेष तैयारियां की थीं। सोमवार को परिवारों ने शुभ मुहूर्त में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजा-अर्चना की। बच्चों और युवाओं में गणेशोत्सव को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। कई परिवारों में बच्चों ने प्रतिमा स्थापना के लिए घरों की सजावट में भी सहयोग किया। दिनभर घरों और मोहल्लों में गणेश वंदना और भक्ति गीत सुनाई देते रहे।

प्रतिमा और पूजा सामग्री की दुकानों पर रही भीड़

गणेशोत्सव शुरू होने के साथ ही प्रतिमाओं और पूजा सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ रही। शहर के विभिन्न प्रमुख बाजारों में गणेश प्रतिमाओं की बिक्री हुई। फूल-माला, पूजन सामग्री, रंगीन झालर, लाइटिंग और सजावटी वस्तुओं की भी लोगों ने खरीदारी की।

मिठाइयों का लगेगा भोग

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को प्रिय मोदक और लड्डू की मांग बढ़ी रही। मिठाई दुकानों पर श्रद्धालुओं ने मोदक, लड्डू, पेड़ा सहित अन्य मिठाइयों की खरीदारी की। कई परिवारों ने घरों में प्रसाद तैयार कर भगवान गणेश को भोग लगाया। गणेशोत्सव शुरू होने के साथ ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक माहौल बन गया है। गणेश पंडालों में पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विसर्जन स्थलों का प्रशासन ने लिया जायजा, आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की

सिवनी गणेश उत्सव को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस एवं प्रशासन के संयुक्त अमले ने सोमवार को जिले के विभिन्न गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थलों और घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन एवं शांतिपूर्ण विसर्जन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। संयुक्त अमले ने लखनवाड़ा के वैनगंगा घाट, मठ तालाब घाट, दलसागर घाट एवं परतापुर घाट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने घाटों पर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, आवागमन तथा श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित इंतजामों का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सिवनी, तहसीलदार सिवनी, नायब तहसीलदार सिवनी, थाना लखनवाड़ा के टीआई, थाना कोतवाली के टीआई सतीश तिवारी सहित नगर पालिका का अमला उपस्थित रहा।

लापता 45 वर्षीय व्यक्ति का खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव

छपारा नवभारत। छपारा थाना क्षेत्र के ग्राम जूनापानी में 11 सितंबर की सुबह से लापता 45 वर्षीय वीरन इनवाती का शव 14 सितंबर को गांव के एक खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि शव मच्छरदानी में लिपटा हुआ मिला। जानकारी के अनुसार, वीरन इनवाती 11 सितंबर की सुबह करीब 6 बजे घर से बस्ती की ओर जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने नाते-रिश्तेदारों और आसपास के गांवों में उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद 12 सितंबर को उनकी पत्नी राजकुमारी इनवाती ने छपारा थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दिए आवेदन में उन्होंने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पति के अपहरण किए जाने की आशंका भी जताई थी।

वहीं 14 सितंबर को खेत में शव मिलने की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही छपारा पुलिस एवं एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू की। फिलहाल वीरन इनवाती की मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

एक नजर में

धूमा-बंजारी हाईवे पर सब्जी से भरा ट्रक पलटा

सिवनी। नेशनल हाईवे-44 पर धूमा थाना क्षेत्र के धूमा-बंजारी मार्ग पर सब्जी से भरा मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना जोरदार था कि ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि दुर्घटना में चालक सुरक्षित बच गया। जानकारी के अनुसार मिनी ट्रक क्रमांक यूपी 64 टी 7757 सब्जी लेकर सिवनी-जबलपुर मार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान धूमा-बंजारी हाईवे पर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में लदी सब्जियां सड़क पर चारों ओर बिखर गईं। देखते ही देखते हाईवे पर सब्जियों का ढेर लग गया। हादसे के बाद सड़क पर बिखरी सब्जी को देखकर वहां से गुजर रहे लोग रुक गए। कई राहगीर और आसपास मौजूद लोग सड़क पर फैली सब्जियों को बड़ी मात्रा में बटोरते नजर आए। इससे दुर्घटनास्थल पर कुछ समय के लिए लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। वहीं सड़क पर क्षतिग्रस्त ट्रक और बिखरी सब्जियों के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। दुर्घटना के बाद सिवनी-जबलपुर मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो गई और हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को व्यवस्थित कराने की कार्रवाई शुरू की। क्षतिग्रस्त मिनी ट्रक को सड़क से हटाने के प्रयास भी किए गए।

सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

सिवनी। हरितालिका तीज का पर्व सोमवार को जिलेभर में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। सुबह से घरों और मंदिरों में पूजन-अर्चना का दौर शुरू हुआ, जो शाम तक जारी रहा। महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा कर हरितालिका तीज की कथा सुनी। पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में उत्साह दिखाई दिया। स्नान के बाद महिलाओं ने व्रत का संकल्प लिया और दिनभर निर्जला व्रत रखा। शाम को भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की ।

कान्हीवाड़ा के बेटे ने छू लिया आसमान, 16,460 फीट पर फहराया तिरंगा

माउंट गोरिचेन क्षेत्र की ग्लेशियर चोटी पर सफल आरोहण

सिवनी नवभारत। कान्हीवाड़ा गांव के युवा जतिन बंदेवार ने अरुणाचल प्रदेश में लगभग 16,460 फीट की ऊंचाई पर माउंट गोरिचेन क्षेत्र की ग्लेशियर चोटी का सफल आरोहण कर भारतीय तिरंगा फहराया। इस उपलब्धि से उन्होंने कान्हीवाड़ा और सिवनी जिले का नाम रोशन करने के साथ अपने माता-पिता श्री संतोष बंदेवार एवं श्रीमती शिवकांति बंदेवार को गौरवान्वित किया है।

जतिन ने National Institute of Mountaineering and Adventure Sports (NIMAS), अरुणाचल प्रदेश से 18 अगस्त से 14 सितंबर 2026 तक आयोजित 28 दिवसीय बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने रॉक, स्नो और ग्लेशियर क्षेत्र में पर्वतारोहण तकनीक, उपकरणों का सुरक्षित उपयोग, पर्वतीय सुरक्षा, टीमवर्क और नेतृत्व का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कोर्स के दौरान कठिन भू-भाग, ऊंचाई और बदलते मौसम के बीच जतिन ने 16,460 फीट की ऊंचाई पर स्थित ग्लेशियर चोटी तक पहुंचकर तिरंगा फहराया। यह उपलब्धि उनके साहस, अनुशासन, शारीरिक क्षमता और मानसिक दृढ़ता को दर्शाती है।

कन्हीवाड़ा जैसे ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के पर्वतारोहण संस्थान में प्रशिक्षण हासिल करना और ऊंचाई पर तिरंगा फहराना क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। जतिन की सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत के बल पर ग्रामीण पृष्ठभूमि का युवा भी बड़ी ऊंचाइयां हासिल कर सकता है। बेटे की इस उपलब्धि से पिता संतोष बंदेवार और माता श्रीमती शिवकांति बंदेवार के साथ कन्हीवाड़ा एवं सिवनी जिले में गर्व और खुशी का माहौल है।

बता दें कि 18 अगस्त से शुरू हुआ 28 दिवसीय प्रशिक्षण 14 सितंबर को पूर्ण हुआ। इसी दौरान 16,460 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराकर जतिन ने अपने पर्वतारोहण सफर में महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की।

16 से 25 तक श्रावक संस्कार शिविर आयोजित

बाहरी पदार्थ दुख का कारण : निर्वेगसागर

लखनादौन नवभारत। लखनादौन में बिराजमान मुनि श्री 108 निर्वेगसागर जी महाराज ने समझाते हैं कि दुनिया को देखना बुरा नहीं है, लेकिन बाहरी पदार्थों को ग्रहण करके उनमें राग करना दु:ख का कारण बन जाता है। ज्ञान का स्वभाव जानना है। जब हमारा ज्ञान बाहरी पदार्थों में उलझ जाता है, तब दु:ख उत्पन्न होता है; लेकिन जब ज्ञान में आत्मस्वरूप का प्रकाश प्रकट होता है, तब वही ज्ञान परमानंद का कारण बन जाता है।

जैसे लंबे समय तक मोबाइल या टीवी देखने से आँखों में पीड़ा होने लगती है, वैसे ही जब हमारा उपयोग लगातार बाहरी पदार्थों की ओर चला जाता है, तब आत्मिक

शांति प्रभावित होती है।

महाराज श्री ने अपने मांगलिक प्रवचन में बताया कि गुरुवाणी सुनना ही पर्याप्त नहीं है। उसे बार-बार सुनना, मनन करना और जीवन में उतारने का पुरुषार्थ करना आवश्यक है। श्रवण एक बार हो सकता है, लेकिन अभ्यास पूरी जिंदगी करना पड़ता है। जैसे पेड़ की जड़ में पानी देने से पूरा पेड़ फलता-फूलता है, वैसे ही आत्मचेतना को जागृत करने से जीवन का वास्तविक विकास होता है। आत्मा अपने चेतन को नियंत्रित करे, चेतन मन को, मन इंद्रियों को और इंद्रियाँ शरीर को नियंत्रित करें। शरीर आत्मा का स्वामी नहीं, बल्कि आत्मकल्याण का साधन बने। ज्ञान केवल जानने के लिए नहीं, स्वयं को जानने और जीवन को बदलने के लिए है। बाहरी पदार्थों को जानो, लेकिन उनमें राग मत करो। पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में नित्य अभिषेक पूजन शांति धारा पूरे भक्ति भाव से संपन्न हो रही है,जिससे सभी श्रद्धालु को धर्म लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों का लिया जायजा

सिवनी नवभारत। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न गतिविधियों की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के अधिकारियों से चर्चा कर तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान को केवल आयोजन तक सीमित न रखते हुए इसे जनभागीदारी, सेवा और जनकल्याण से जोड़ते हुए प्रभावी एवं यादगार बनाया जाए। उन्होंने जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों तक अभियान की गतिविधियों की पहुंच सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक नागरिकों को सहभागी बनाने के निर्देश दिए।

अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से होगी। शाम 7 बजे जिले के चिन्हित स्थलों सहित ग्राम पंचायतों एवं नगरीय क्षेत्रों में एक साथ दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस आयोजन में नागरिकों, लाभार्थी परिवारों, सामाजिक संस्थाओं एवं अन्य संगठनों को जोड़ने तथा आयोजन स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा एवं अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अभियान के तहत जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों एवं मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने ब्लड बैंक, रेडक्रॉस एवं मेडिकल कॉलेज के साथ समन्वय कर चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक नागरिकों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में विद्यार्थियों की सहभागिता पर भी विशेष जोर दिया गया। 'मेरे सपनों का भारत' चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में जिले के सरकारी एवं निजी स्कूलों तथा कॉलेजों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थियों को अपने विचारों एवं कल्पनाओं को चित्र और भाषण के माध्यम से व्यक्त करने का अवसर मिलेगा। विजेता विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जिले में श्रेष्ठ चित्रों की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी तथा प्रतिभागी संस्थानों, विद्यार्थियों एवं चित्रों के विषय का विवरण व्यवस्थित रूप से संधारित किया जाएगा। 'नमो सेवाङ्कअनकही कहानियां' के माध्यम से भी जिले में सेवा और समर्पण की प्रेरणादायी कहानियां आमजन तक पहुंचाई जाएंगी। इसके लिए प्रत्येक जिले में कम से कम 10 नुक्कड़ नाटक दल तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। सिवनी में इन दलों का पूर्वाभ्यास कराते हुए हाट-बाजार, मुख्य बाजार, कॉलोनी एवं बस्तियों जैसे स्थानों पर प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। उत्कृष्ट नाट्य दलों को जिला स्तर पर सम्मानित भी किया जाएगा।

समीक्षा के दौरान 'सेवा सेतु अभियान- सरकार आपके द्वार' की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड स्तर पर तथा नगरीय निकायों में जोनवार मेगा शिविर आयोजित कर केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाएगा। शिविरों में आवेदनों के पंजीयन से लेकर निराकरण और हितलाभ वितरण तक की जानकारी व्यवस्थित रूप से संधारित की जाएगी। 'जन-विश्वास अभियान' को भी सेवा सेतु के साथ जोड़कर आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने और योजनाओं की जानकारी एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों से कहा कि सेवा संकल्प अभियान की प्रत्येक गतिविधि में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित हो और कार्यक्रमों का प्रभाव गांव से लेकर शहर तक दिखाई दे। उन्होंने सभी आयोजनों की पूर्व तैयारी, स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार, आवश्यक व्यवस्थाओं तथा कार्यक्रमों के व्यवस्थित अभिलेखीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

'आंगन मिलन सेवा' के अंतर्गत जुड़ेगी आंगनवाड़ी

'आंगन मिलन सेवा' के अंतर्गत जिले के सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। यहां बच्चों और माताओं के लिए पोषक स्वल्पाहार, फल एवं मिठाई, खेल सामग्री, रुचिकर पुस्तकें एवं अन्य बाल-सुलभ सामग्री की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री की अपील का वीडियो मोबाइल अथवा टीवी के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों को दिखाया जाएगा। बच्चों, माताओं एवं अभिभावकों से जीवंत संवाद के साथ स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर जानकारी दी जाएगी। प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र के लिए कार्यक्रम की तिथि एवं नोडल अधिकारी का निर्धारण किया जाएगा।

विधायक ने ब्रम्हलीन शंकराचार्य के प्राकट्योत्सव कार्यक्रम में की सहभागिता

सिवनी नवभारत। विधायक दिनेश राय मुनमुन ने पूज्य ब्रम्हलीन शंकराचार्य जी महाराज के प्राकट्योत्सव कार्यक्रम मे सहभागिता किया। आज भाजपा विधायक ने अनंतश्री विभूषित ज्योतिष एवं द्वारका शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य परम पूज्य ब्रह्मलीन स्वामी श्री स्वरुपानंद सरस्वती महाराज के पावन प्राकट्योत्सव के अवसर जन्म स्थली ग्राम दिघौरी पहुंचकर श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे श्रद्धापूर्वक सहभागिता किया।

इस अवसर पर विधायक ने सनातन धर्म, संस्कृति एवं आध्यात्मिक चेतना के संरक्षण और संवर्धन में ब्रह्मलीन शंकराचार्य जी महाराज के अविस्मरणीय योगदान का स्मरण कर कोटि-कोटि नमन किया इसके पश्चात विधायक आगामी 18 सितंबर को ग्राम दिघोरी में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले जन संवाद कार्यक्रम के कार्यस्थल का जायजा लिया। तथा कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी लिया और कार्यक्रम को सफल एवं व्यवस्थित रूप से आयोजित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके अलावा विधायक दिनेश राय ने गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर निज निवास लखनादौन में विराजमान विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी का पूजन अर्चन किया। तथा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना किया।

आरोप | **महिलाओं ने श्रमदान कर शुरू किया था रास्ते का काम, जमीन विवाद के बीच नोटिस जारी होने से मामला गरमाया**

शांति धाम मार्ग को लेकर विवाद गहराया, भाजपा नेता व तहसीलदार पर आरोप

मोहगांव नवभारत। जनपद पंचायत कुरई अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव (सड़क) के ग्राम बड़झिर में शांति धाम (श्मशान घाट) तक पहुंच मार्ग को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। ग्रामीणों द्वारा मार्ग की मांग पूरी नहीं होने पर स्वयं रास्ता बनाने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत गांव की महिलाओं ने फावड़ा-तसला लेकर श्रमदान भी किया था। अब इसी मामले में जमीन विवाद और नोटिस जारी होने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप सामने आए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि बड़झिर में शांति धाम तक पहुंचने के लिए उचित मार्ग नहीं होने से अंतिम यात्रा के दौरान विशेषकर बारिश के दिनों में काफी परेशानी होती है। कच्चे और खराब रास्ते

में कीचड़ व पानी भर जाने के कारण शवयात्रा को शांति धाम तक ले जाना मुश्किल हो जाता है। इसी समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने स्वयं श्रमदान कर मार्ग बनाने की पहल की थी।

इसी मामले में ग्राम बड़झिर निवासी सागर पारधी ने आरोप लगाया है कि भाजपा नेता नीलकंठ तिवारी द्वारा तहसीलदार से सांठगांठ कर उनके नाम से नोटिस जारी करवाया गया है। पारधी के अनुसार, 9 सितंबर को वे कुरई तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार से कहा कि मार्ग बनाने का निर्णय उन्होंने अकेले नहीं लिया था, बल्कि महिलाओं एवं ग्रामीणों ने मिलकर शांति धाम तक सड़क बनाने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद उनके नाम से नोटिस जारी किया गया।

सागर पारधी का आरोप है कि भाजपा नेता नीलकंठ तिवारी द्वारा उन्हें गलत तरीके से मामले में फंसाया जा रहा है, जिसके कारण वे मानसिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। वहीं, ग्रामीणों के अनुसार प्रस्तावित रास्ते का कुछ हिस्सा भाजपा नेता से संबंधित जमीन से होकर गुजरता है। नीलकंठ तिवारी ने बताया कि उनके द्वारा उक्त जमीन खरीदी गई है और उसकी विधिवत रजिस्ट्री भी कराई गई है। उनका कहना है कि वे किसी विवाद के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन जमीन के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले जनपद उपाध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया ने भी बताया था कि शांति धाम जाने वाले मार्ग में भाजपा नेता की कुछ जमीन का हिस्सा आ रहा है और जमीन देने से इनकार किया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर पहुंचकर मार्ग का राजस्व सीमांकन कराने, भूमि विवाद की निष्पक्ष जांच करने तथा शांति धाम तक स्थायी एवं सर्वसुलभ सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

शिकायत के आधार पर जारी हुआ नोटिस : तहसीलदार

इस संबंध में कुरई तहसीलदार शनि पाल परतेती ने बताया कि शिकायतकर्ता नीलकंठ तिवारी एवं सोहनलाल द्वारा लिखित शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर नियमानुसार नोटिस जारी किया गया है। तहसीलदार ने स्पष्ट किया कि मामले में आगे की कार्रवाई शिकायत एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की जाएगी। अब ग्रामीणों की मांग है कि प्रशासन मौके पर पहुंचकर पूरे मार्ग की स्थिति देखे, राजस्व सीमांकन कर विवाद का निराकरण करे और शांति धाम तक ऐसा रास्ता उपलब्ध कराया जाए, जिससे बारिश सहित हर मौसम में अंतिम यात्रा आसानी से हो सके।

समाधान एफआईआर से नहीं, बल्कि संवाद से निकलेगा : खुराना

सिवनी नवभारत। कक्का जी द्वारा अधिकारियों/ कर्मचारियों के प्रति की गई अशोभनीय टिप्पणी का हम समर्थन नहीं करते। ऐसी भाषा सार्वजनिक जीवन की मर्यादा के अनुरूप नहीं है और इसकी हम स्पष्ट असहमति व्यक्त करते हैं। लेकिन किसी व्यक्ति के एक वक्तव्य के कारण किसानों की मूल एवं जायज़ मांगों को एफआईआर के विवाद में नजरअंदाज करना भी उचित नहीं। उक्ताशय की बात जारी प्रेस विज्ञप्ति में पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष व जबलपुर जिला शहर कांग्रेस प्रभारी राजकुमार खुराना ने कही है।

उन्होंने कहा कि सिवनी में किसान आंदोलन के दौरान हुई घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। किसी भी सार्वजनिक मंच से महिला अधिकारी अथवा किसी भी व्यक्ति के प्रति अशोभनीय एवं व्यक्तिगत टिप्पणी का समर्थन नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक जीवन में भाषा की मर्यादा और महिलाओं की गरिमा का सम्मान हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। साथ ही, किसानों द्वारा उठाए गए मूल मुद्दों को इस विवाद से अलग रखकर देखना भी उतना ही आवश्यक है। किसान अपनी समस्याओं और जायज़ मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने के अधिकार रखते हैं।

कक्का जी सहित पाँच लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज होने के बाद किसानों में जो आक्रोश उत्पन्न हुआ है, उसे केवल कानून-व्यवस्था का विषय मानकर समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की जांच कानून के अनुसार हो और यदि अपराध सिद्ध होता है तो कानून अपना काम करे, लेकिन इसके साथ-साथ किसानों की वास्तविक मांगों धान, मक्का,गेहूँ, सोयाबीन, कपास के साथ अन्य फ़सलों का शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर ख़रीद की जाए । भावांतर योजना बंद की जाये । किसानों का क़र्ज़ माफ़ किया जाए ।एमएसपी गारंटी का क़ानून पास किया जाए 5- संजय सरोवर परियोजना की नहरों का नवीनीकरण विनिर्देशों के अनुसार किया जाये। खाद और बीज की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली में सुधार किया जाए। खेत सड़क योजना आरंभ की जाए। जैसे किसानों के मुद्दों पर भी प्रशासन को तत्काल संवाद करना चाहिए। किसानों की मांगों का समाधान एफआईआर और टकराव से नहीं, बल्कि संवाद, संवेदनशीलता और न्यायपूर्ण कार्रवाई से निकलेगा। हम प्रशासन से आग्रह करते हैं कि पूरे घटनाक्रम को निष्पक्ष दृष्टि से देखा जाए, कानून अपना काम करे और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल सकारात्मक बातचीत शुरू की जाए। मर्यादा दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है। संवेदनशीलता भी दोनों पक्षों से अपेक्षित है। और लोकतंत्र में संवाद ही सबसे प्रभावी रास्ता है।